CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 19-12-2025 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDFP User: cci Time: 12-18-2025 15:53 Color:

नवभारत टाइम्स NBT

Delhi Times OF INDIA

masala mix

FRIDAY, DECEMBER 19, 2025
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

नेहा कक्कड़ अपने गाने कैंडी शॉप में डांस को लेकर ट्रोल हो रही हैं।

दर्शकों की जिंदगी में पहले ही बहुत परेशानियां हैं। परिवार चलाना है। वो बेचारा उस सब को लेकर परेशान है। आप फिल्मों की कमाई बताकर उसे और परेशान कर रहे हो।

अनुभव सिन्हा

Sunil Kataria

'पिक्चर इसलिए मत देखो कि उसने कितनी कमाई कर ली'

प्रशांत जैन

आजकल फिल्मों से ज्यादा उनकी कमाई की चर्चा होती है। इस बारे में क्या कहेंगे आप ?

इसकी शुरुआत भी हमने यानी बॉलिवुड ने ही की है। हम खुद बताते हैं कि किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है। अरे दर्शकों को उससे क्या मतलब है। उन्हें बस यह देखना है कि आपने अच्छी फिल्म बनाई है या नहीं। लेकिन हमने उसको बताना शुरू किया कि फलाना फिल्म का ओवरसीज का कलेक्शन इतना हो गया, ग्रॉस इतना हो गया, नेट कलेक्शन इतना हो गया। लेकिन अब यह सिस्टम ही ऐसा हो गया है कि मैं भी चाहूं, तो इसे नहीं रोक सकता हूं। सिनेमा के बिजनेस में लोगों को इतना दिमाग नहीं लगाना चाहिए। आप बस पिक्चर देखिए, अच्छी लगी या नहीं लगी, बात खत्म। उसकी कमाई की चिंता आप मत करो। हर आदमी पिक्चर को, इंडस्ट्री को और उसके बिजनेस को समझने की कोशिश कर रहा है, जो कि सम्भव नहीं है। फिल्म का बिजनेस दूसरे कारोबार से अलग होता है।

CONTINUED ON ▸ 3

'भटूरे बस दिल्ली में'

दिल्ली आते ही मुझे गर्मागर्म भटूरे में उंगली मारने का दिल करता है। मुझे दिल्ली के छोटे भटूरे इतने पसंद हैं कि मैं दिल्ली के अलावा कहीं और छोटे भटूरे नहीं खाता। मुंबई में विराट कोहली ने मुझे कहा कि अब यहां भी दिल्ली जैसे भटूरे मिलने लगे हैं। लेकिन मैंने वहां खाने से मना कर दिया। मेरे लिए दिल्ली में खाना मतलब छोटे भटूरे खाना होता है।

बीते तीन सालों से दिसंबर में सुपरहिट हो रही है मारकाट!

एनिमल
रिलीज डेट - 1 दिसंबर 2023
556 करोड़

पुष्पा 2
रिलीज डेट - 5 दिसंबर 2024
830 करोड़

धुरंधर
रिलीज डेट - 5 दिसंबर 2025
454 करोड़*
*(कमाई जारी है)

प्रशांत जैन

एनिमल, पुष्पा 2 और धुरंधर ये तीनों ही फिल्में हिंदी बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए रेकॉर्ड बना चुकी हैं। जबर्दस्त हिंसा के अलावा इन फिल्मों में एक कॉमन फैक्टर यह भी है कि तीनों ही फिल्में दिसंबर के पहले हफ्ते में रिलीज हुई हैं। वरना इससे पहले बॉक्स ऑफिस पर दर्शक दिवाली के बाद सीधे क्रिसमस रिलीज का इंतजार किया करते थे। लेकिन लगातार तीन सालों से जबर्दस्त मारकाट वाली इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर भी तूफान ला दिया है।

बिंदास BOL

फिल्मों में बढ़ रहे हिंसक कॉन्टेंट को लेकर आपके क्या विचार हैं?

अपने विचार आप 200 शब्दों में भेज सकते हैं। चुनिंदा जवाबों को हम प्रकाशित करेंगे।

पिछला सवाल : क्या बॉलिवुड सिलेब्स पतला होने के लिए दवाओं का सहारा ले रहे हैं?

आपकी राय

A) हां	100%
B) नहीं	0%

जवाब भेजने के लिए QR कोड को स्कैन करें या 9220747220 पर वॉट्सऐप करें। जवाब dtmmresponse@timesofindia.com पर ईमेल भी कर सकते हैं। साथ में अपना नाम और Social लिखें।

Buzzstop

सेलेना ने बताया, क्यों बदली आवाज़

सेलेना गोमेज़ को लेकर काफी समय से चर्चा है कि उनकी आवाज़ की टोन बदली लग रही है। अब एक लाइव फैंस सेशन में सेलेना ने कहा कि कोई बहाना नहीं है। कभी-कभी ऐसा हो जाता है, गले में सूजन आ जाती है। बस ये ही बात है।

34,086 इवेंट्स | **₹641 करोड़** का योगदान | **562,032** ट्रैवलर्स

2025 रहा कॉन्सर्ट्स का साल

17 % की बढ़ोतरी लाइव कॉन्सर्ट के लिए लोगों की रुचि में

2025 REWIND

रिया शर्मा

अगर 2025 को कॉन्सर्ट्स का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। साल की शुरुआत में कोल्ड प्ले के इंडिया टूर से इसकी शुरुआत हुई थी और लगभग हर महीने एक बड़े कॉन्सर्ट की घोषणा हुई। हालांकि एक के बाद एक कॉन्सर्ट होना इतनी बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात कॉन्सर्ट का स्केल और उनमें उमड़े दर्शकों के हुजूम का रिएक्शन है। इससे कॉन्सर्ट इकॉनमी भी चर्चा में आई, जो इस बात की ओर इशारा है कि देश में लाइव इवेंट्स कितना अहम रोल अदा कर रहे हैं। बुक माय शो की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल दिसंबर में 34,086 बड़े इवेंट्स होस्ट किए गए। सिर्फ कोल्ड प्ले के इंडिया टूर से ही इकॉनमी में 641 करोड़ रुपए का योगदान देखने को मिला, जिसने इसे साल के सबसे बड़े कल्चरल इवेंट्स में से एक बना दिया। लाइव शो को लेकर लोगों में उत्साह इतना था कि लगभग 5 लाख 62 हजार फैंस इन कॉन्सर्ट्स के लिए एक शहर से दूसरे शहर में ट्रैवल करते दिखाई दिए।

अपने दिल्ली कॉन्सर्ट के दौरान हिमेश रेशमिया

म्यूजिक टूरिज्म में बड़ा बूम देखने को मिला: 562,032 फैंस ने कॉन्सर्ट्स के लिए कई शहरों में ट्रैवल किया। साल दर साल 18% की बढ़ोतरी

नॉन मेट्रो शहर भी लाइव इवेंट्स के लिए स्पॉटलाइट बने। कई राज्यों ने कॉन्सर्ट्स के लिए वेन्यू, टूरिज्म सपोर्ट में निवेश करना शुरू कर दिया है। गुवाहाटी में 188%, शिलॉन्ग में 213%, देहरादून में 155% और विजाग में 409% का बड़ा फुटफॉल देखने को मिला है।

18 लाख फैंस अकेले इन लाइव कॉन्सर्ट्स में शामिल हुए।

इन कॉन्सर्ट्स ने जीता भारतीय दर्शकों का दिल

- कोल्ड प्ले
- लॉल प्लूज़ा
- मार्टिन गैरिक्स
- सतिंदर सरताज
- ग्रीन डे एंड ऑफस्प्रिंग
- कैप मानिया टूर
- एपी ढिल्लों
- सिगरेट्स आफ्टर सेक्स
- एलन वॉकर
- विशाल-शेखर
- पोस्ट मेलन

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 19-12-2025 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDDPRD User: cci Time: 12-18-2025 15:10 Color:

ड्रेस-अप में कुछ नया करना पांच साल की उम्र में शुरू होता है और फिर कभी खत्म नहीं होता। - केट स्पेड

@sonamkapoor

सोनम कपूर, रोहित बल की डिजाइन की गई अंगरखा ड्रेस और लॉन्ग जैकेट में कुछ इस तरह नजर आईं

@kritisanon

कृति सेनन जयपुर में एक इवेंट के दौरान मॉडर्न अंगरखा पहने हुई नजर आईं

राजदरबारों से लेकर कैटवॉक तक का सफर

ट्रडिशनल अंगरखा का मॉडर्न स्टाइल वाला अवतार

आकांक्षा अहिरे

कभी राजाओं और शूरवीरों की शान और दरबारियों की जान रही अंगरखा ड्रेस आज के युग में हर किसी को पसंद आ रही है। मॉडर्न लुक के साथ यह सितारों से लेकर आम लोगों तक को खूब भा रही है। सादगी के साथ शानदार फैशन तक, यह अंगरखा ड्रेस रेड कार्पेट से लेकर पार्टीज तक के लिए पसंदीदा आउटफिट बन गई है।

हर जगह के लिए था अपना अलग स्टाइल

अंगरखा (एक प्रकार की ड्रेस) की बेसिक बनावट काफी हद तक एक जैसी होती है, हालांकि इसका डिजाइन और डिटेलिंग अलग-अलग जगहों के अनुसार बदल जाती है। फैशन डिजाइनर राहुल खन्ना बताते हैं, 'राजस्थान और गुजरात में यह साइज में छोटी, हल्की और गर्मी के हिसाब से सही ड्रेस थी। उत्तरी भारत में यही ड्रेस लंबी और ज्यादा हल्की थी।' सिलेब्रिटी फैशन स्टाइलिस्ट माधुरी सिंह कहती हैं, 'पूर्वी भारत में अंगरखा अच्छी क्वालिटी की सिल्क से बनाए जाते थे, जिन पर कढ़ाई के स्थानीय तरीकों से सजावट की जाती थी। दक्षिण भारत के राज्यों में सिलुएट में महंगे सिल्क, सोने के धागे का काम और मंदिरों से प्रेरित डिजाइन बनाए जाते थे। दक्कन में अंगरखा में महंगे मशरूम जैसे कपड़े का प्रयोग होता था, जो एक खास सिल्क व कॉटन से बुना होता था।

डिज़ाइन की नहीं है कोई भी कमी

आज के दौर में अंगरखा के डिजाइन में कई तरह के प्रयोग बेहद खास लगते हैं। फैशन डिजाइनर और एक लग्जरी कपड़ों के ब्रैंड की फाउंडर चंदन एलन कहती हैं, 'डिजाइनर इस आउटफिट के मुख्य एलीमेंट्स को नए सिरे से पेश कर रहे हैं। मैंने क्रॉप्ड, जैकेट-स्टाइल वर्जन, फ्लोर-लेंथ इवनिंग अंगरखा और इनके बीच की हर चीज के साथ कुछ ना कुछ प्रयोग किया है।' माधुरी सिंह बताती हैं कि अंगरखा आज तमाम फैब्रिक्स में बनाया जा रहा है। अंगरखा बनाने के लिए कॉटन सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला फैब्रिक है क्योंकि यह हवादार होता है।

अंकिता लोखंडे जैन केसरी रंग के अंगरखा स्टाइल अनारकली ड्रेस में दिखाई दीं, जो काफी स्टाइलिश लग रही है

संस्कृत से लिया गया है नाम

अंगरखा शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका मतलब है शरीर की रक्षा करने वाला। अंगरखा पेशवाओं, राजपूतों और मुगल बादशाहों द्वारा पहना जाता था, जिसमें उनकी शालीनता तो झलकती ही थी, साथ ही उन्हें चलने-फिरने में भी आसानी होती थी। यह एक ढीली-ढाली ड्रेस है जिसकी खासियत इसका खास क्रॉस-ओवर फ्रंट है, जिसे कंधे या कमर पर डोरियों से बांधा जाता है। इसमें एक आकार का ऊपरी हिस्सा होता है, जिसे पर्दा कहा जाता है।

मॉडर्न अंगरखा कोई भी पहन सकता है

असल में इतिहास में अंगरखा पुरुषों का शाही पहनावा होता था, लेकिन आज अंगरखा किसी एक जेंडर का नहीं रह गया है। राहुल खन्ना कहते हैं, 'संभालने में आसान, शरीर पर सहज लगना, आराम और वर्सेटाइल होने की वजह से यह अपने आप ही जेंडर-न्यूट्रल ड्रेस है।' सिलेब्रिटी फैशन स्टाइलिस्ट मिताली अंबेकर के अनुसार, 'अंगरखा का फैशन में एक बड़े ट्रेंड का भी हिस्सा है जो पहनावे को लेकर जेंडर के बीच की सीमाओं को धुंधला करता है।'

फिल्मों के जरिए डिजाइनर्स ने बताया है कि कैसे इसे सदाबहार ड्रेस के तौर पर कैरी किया जा सकता है

डिज़ाइनर अंगरखा में नए एक्सपेरिमेंट कर रहे हैं, जिसमें लंबाई में छोटी और सीधी रेखाओं वाले डिज़ाइन ट्रेंडी हैं। अब अंगरखा को ट्राउज़र, सिगरेट पैंट, पलाज़ो, जींस संग पहना जाता है। अक्सर जैकेट के नीचे लेयर करके कैरी होता है। - माधुरी सिंह, सिलेब्रिटी फैशन स्टाइलिस्ट

इस सीजन में सोनाली बेंद्रे की ब्लैक कलर की अंगरखा स्टाइल अनारकली ड्रेस खूब फबेगी

लंदन फैशन वीक में अनामिका खन्ना ने अपने कलेक्शन में अंगरखा को दिखाया।

रोहित बल व तरुण तहिलियानी जैसे कई डिज़ाइनरों ने इस ड्रेस के साथ कलाकृतियों से सजावट, बारीक प्रिंट, ट्रडिशनल कपड़े और कढ़ाई का प्रयोग करके एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें ट्रडिशनल इंडियन स्टाइल को मॉडर्न डिज़ाइन के साथ मिक्स एंड मैच किया है। सिलेब्रिटीज ने भी इसे शानदार ड्रेस के तौर उभारा है। -निष्ठा परवानी, सिलेब्रिटी फैशन स्टाइलिस्ट

रत्नों जैसी खूबसूरती और साथ में मिलेगा ग्लॉसी लुक

इस फेस्टिव सीजन गार्नेट रेड है ट्रेंड में

हर साल की तरह इस साल भी रेड नेल्स महिलाओं को खूब पसंद आ रहे हैं। वहीं इस सीजन में क्लासिक क्रिमसन और डार्क बरगंडी कलर लाइमलाइट से दूर हैं। इसके बजाय ब्यूटी एक्सपर्ट्स को गार्नेट कलर काफी अट्रैक्ट कर रहा है। गार्नेट शाइनी, ज्वेल टोन्ड रेड कलर है, जो दिखने में सुंदर, चमकदार और सीजन के हिसाब से एकदम फिट लगता है।

गहरे लाल रंग के नाखून और सफेद रंग का स्वेटर, हेली बीबर का गार्नेट नेल्स वर्जन है चर्चा में

गार्नेट नेल्स के ये तरीके खास

छोटे और ग्लॉसी: गार्नेट कलर छोटे नाखूनों पर खास तौर पर क्लासी लगता है। इससे उनका क्लीन और पॉलिश्ड लुक निखरता है।
स्क्वोवल शेप: स्क्वेयर और ओवल के मिले-जुले शेप पर इसका एलिगेंस सही लगता है।
शिमर का थोड़ा यूज: ये ग्लिटर जैसा भड़कीला न लगे, इसके लिए शिमर की पतली लेयर लगाएं।

क्या है गार्नेट नेल्स

गार्नेट नेल्स इसी नाम के महंगे रत्नों से प्रेरित हैं। हालांकि गार्नेट नेचुरली कई रंगों में पाए जाते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा पहचाना जाने वाला रंग गहरा भूरे शेड्स वाला रेड कलर है। चमकीले रूबी रेड या ट्रडिशनल बरगंडी से हटकर गार्नेट में एक डार्क, ज्यादा कॉम्प्लेक्स अंडरटोन होता है, जो इसे एक साफ-सुथरा और सॉफ्ट लुक देता है।

आपके नाखूनों को देता है लक्ज़री अहसास

गार्नेट को जो चीज सबसे अलग बनाती है, वह है इसकी गहराई। डार्क रेड या बरगंडी कलर को इमेजिन करें, जिसमें भूरे रंग के अंडरटोन हों और हाई-ग्लॉस या क्रिस्टल जैसी चमक हो। यह वाइन जैसा कम और ज्वेल बॉक्स जैसा दिखता है। यह शेड सर्दियों में अच्छा लगता है।

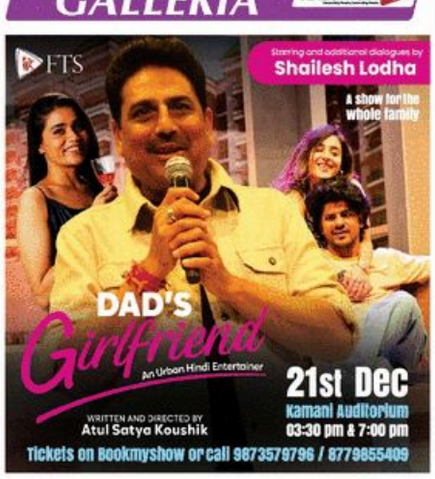

मोहनलाल सन्स का ओमैक्स चांदनी चौक में नया शोरूम

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक स्थित ओमैक्स चौक में प्रतिष्ठित एथनिक वियर ब्रांड मोहनलाल सन्स ने अपने 40वें और फ्लैगशिप शोरूम का शानदार शुभारंभ किया। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए ब्रांड की ओर से पूरे दिन एक फैशन शो आयोजित किया गया, जिसमें इंटरनैशनल मॉडल्स, सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट्स और ब्रांड के खास ग्राहकों ने शिरकत की।

शोरूम का उद्घाटन ओमैक्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री जतिन गोयल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मोहनलाल सन्स के पार्टनर एवं सीईओ मयंक मोहन ने कहा, 'दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे भारत के दिल कहे जाने वाले चांदनी चौक में अपने नए फ्लैगशिप स्टोर की शुरुआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खासकर उत्तर भारत में जब भी किसी परिवार में शादी होती है, चांदनी चौक आना लगभग तय होता है। चांदनी चौक के केंद्र में स्थित मॉल में मौजूद होने से ग्राहकों को एक ही छत के नीचे एयर-कंडीशन्ड माहौल में जूलरी, लहंगे और शेरवानी जैसी सभी वेडिंग शॉपिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी।'

उन्होंने आगे बताया कि इस नए स्टोर में ब्रांड की हाल ही में लॉन्च की गई लग्जरी कलेक्शन 'विरासत' भी पेश की गई है। यह कलेक्शन पुरुषों और बच्चों के लिए खासतौर पर तैयार की गई सेलिब्रेशन वियर रेंज है, जिसमें इंडियन और वेस्टर्न एक्सेसरीज का शानदार मेल देखने को मिलता है। यह कलेक्शन आधुनिक ट्रेंड्स और पारंपरिक डिज़ाइन्स का खूबसूरत संयोजन है।

मयंक मोहन ने आगे कहा, 'हम अपने ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने और उनके साथ लंबे समय तक रिश्ते बनाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह स्टोर सिर्फ एक रिटेल स्पेस नहीं बल्कि हमारे ब्रांड मूल्यों और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमें बेहद खुशी है कि ग्राहकों ने न सिर्फ हमारी डिज़ाइन कलेक्शन को सराहा, बल्कि प्रमुख रिटेल डिज़ाइन फर्म प्रेरणा मेहन डिज़ाइन स्टूडियो द्वारा तैयार किए गए अल्ट्रा-लग्जरी इंटीरियर्स की भी जमकर तारीफ की।'

इस भव्य लॉन्च इवेंट में कई गणमान्य अतिथियों, ब्रांड के पुराने ग्राहकों, पार्टनर्स और शुभचिंतकों की उपस्थिति रही, जिन्होंने मोहनलाल सन्स की अब तक की यात्रा और भविष्य की योजनाओं का उत्साहपूर्वक जश्न मनाया।

डिस्क्लेमर: इस लेख में किए दावे और चित्र विज्ञापनदाता के हैं। इसका अखबार से कोई लेना-देना नहीं है।

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 19-12-2025 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDMMM User: cci Time: 12-18-2025 15:54 Color:

Photos: @anubhavsinhaa

'मैं उस समाज को समझ रहा हूं, जिसके लिए फिल्में बनती हैं'

CONTINUED FROM P 1

आजकल आप नए-नए शहरों में जा रहे हैं। इससे पहले ऐसा नहीं देखा गया कि एक फिल्म डायरेक्टर देश के छोटे-बड़े शहर घूम रहा है। कोई खास वजह?

यह मेरी अपनी जरूरत है। मैं चाहता हूं कि मैं जानूं तो सही अपने समाज को, जिसके लिए हम फिल्में बनाते हैं, जिसकी हम कहानियां कहते हैं। मैं कब से उन शहरों में गया ही नहीं था। यह ऐसा हो गया था जैसे एक पुराना दोस्त है, जिसको मैं 30 साल से मिला ही नहीं। बस जानते हैं, लेकिन बहुत समय से मिले नहीं।

फिल्म इंडस्ट्री वालों पर आरोप लगते हैं कि उनका बॉलिवुड बस चांदा तक सीमित है। क्या आप उससे बाहर निकलने के लिए शहर-शहर घूम रहे हैं?

हमेशा से दर्शक उसी बॉक्स की फिल्में ही ले पसंद कर रहे थे। वे उन्हें ही देखते थे और वे ही हिट होती थीं। ये सब बेकार की बातें हैं। क्या है ना, आजकल बॉलिवुड को गाली देना बड़ा मजे का काम हो गया है। आपको देने में भी मजा आता है, पढ़ने और सुनने वाले को भी मजा आता है। हकीकत में फिल्म बनाना कोई आसान काम नहीं है। एक टापू से पूरे देश की जनता को समझना, जो इतनी विविध है। फिर उन सब के पसंद की फिल्म बनाना भी आसान काम नहीं है। हालांकि मैं यह नहीं कह रहा की हमारी तरफ से कोई त्रुटी नहीं है, हमारी तरफ से भी कुछ कमियां तो हुई हैं। यहां सभी लोग चाहे प्रोडक्शन हाउस हो, डायरेक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर फिलहाल सब फायर फाइटिंग मोड में यही समझने की कोशिश कर रहे हैं कि कैसे दर्शक और फिल्मों के बीच गैप कम हो। डायरेक्टर अगर कुछ चेंज करता है, तो उसका असर दिखने में साल-डेढ़ साल लगता है। पूरा बॉलिवुड उस गैप को कम करने की कोशिश कर रहा है।

पिछले दिनों आप 50 साल बाद हरिद्वार गए। एक शहर को इतने सालों बाद देखना, कैसा अनुभव रहता है? आपने क्या महसूस किया?

इससे पहले मैं 10 साल की उम्र में हरिद्वार गया था। मेरे पापा ले गए थे, तो कुछ फ्लैशबैक में यादें थीं। मुझे कभी लगता था कि ये यादें हैं या मेरी कल्पना है? लेकिन जब इस बार गया तो पता लगा कि वह यादें थीं। हर की पौड़ी तो लगभग वैसी ही है। पानी का रंग भी बिल्कुल वैसा ही था, जैसा मेरी याददाश्त में था। इतना ही नहीं, वहां पहुंचकर मुझे एक कचौड़ी की दुकान दिखी, जिसे देखा तो लगा कि पापा मुझे यहां भी लाए थे, जब मैं 10 साल का था।

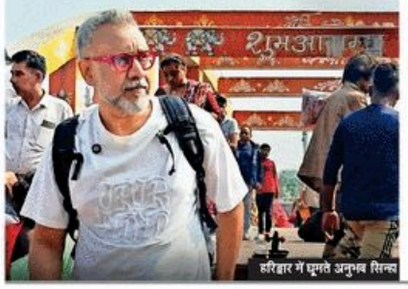
हरिद्वार में घूमते अनुभव सिन्हा

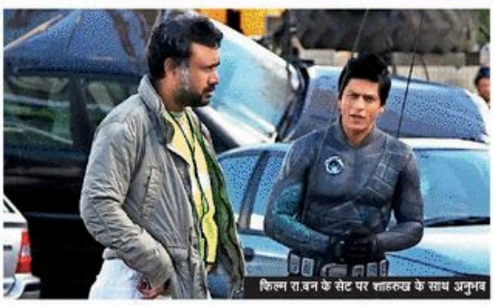
फिल्म रा.वन के सेट पर शाहरुख के साथ अनुभव

आपकी फिल्म रा.वन के बारे में आज कहा जाता है कि वह समय से पहले बनी फिल्म थी? आपका इस बारे में क्या मानना है?

अब तो मुझे यह तारीफ से ज्यादा आरोप सा लगने लगा है। जैसे लोग कह रहे हों कि यार तुमने टाइम से पहले पिक्चर बना दी, तुम क्या करते हो। साल ही में शाहरुख ने भी कहा था कि मेरे पास अगर कुछ है तो वह इस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे। मैंने वह इंटरव्यू देखा था, लेकिन उसके बाद मेरी और शाहरुख खान की मुलाकात ही नहीं हुई। वह बहुत बड़ा कमिटमेंट है। इस तरह की फिल्में आपकी जिंदगी के 4-5 साल ले लेती हैं। मैं तो अब छोटी फिल्में ही बनाता हूं। करीब 30-35 दिनों में शूट कर देता हूं और 8-10 महीने में रिलीज कर देता हूं, तो मेरी आदत वैसी ही हो गई है। हालांकि यह सब सुनने में अच्छा तो लगता है कि बड़ी पिक्चर बनाओ, बड़े स्टार के साथ बनाओ।

@realhinakhan

TRIPPIN'

हिना खान अपने पति रॉकी के साथ मालदीव घूमने गई। हिना ने अपनी इस ट्रिप की कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह कहीं खूबसूरत लोकेशन को एंजॉय करती नजर आ रही हैं, तो कहीं पर स्वमंदर में स्कूबा डाइविंग के लिए तैयार होती दिखाई दे रही हैं।

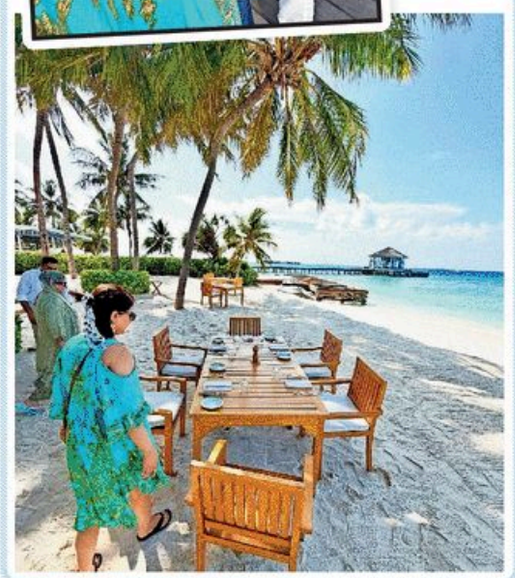

ऐंजलीना जोली ने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति बढ़ाई जागरूकता

हाल ही में ऐंजलीना जोली ने ब्रेस्ट कैंसर को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई और अपनी मास्टेक्टॉमी के निशान दिखाए। गौरतलब है कि ऐंजलीना ने ब्रेस्ट कैंसर के रिस्क को देखते हुए 2013 में डबल मास्टेक्टॉमी (ब्रेस्ट निकालने की सर्जरी) कराई थी। अब उन्होंने पहली बार एक फोटोशूट में अपने ऑपरेशन के निशान दिखाए हैं। इस फोटो में ऐंजलीना ने काले रंग का लो कट टॉप पहना है जिसमें उनके मास्टेक्टॉमी के निशान साफ नजर आ रहे हैं। इसके बारे में ऐंजलीना ने कहा, 'मैं ये निशान उन महिलाओं के साथ साझा कर रही हूं, जिन्हें मैं प्यार करती हूं। जब मैं दूसरी महिलाओं को ऐसा करते देखती हूं, तो हमेशा भावुक हो जाती हूं।'

@kritisanon

कृति को पसंद नहीं है ज्यादा मेकअप करना

आज के समय में सभी लोग सोशल मीडिया की दुनिया के हिसाब से तैयार होना पसंद करते हैं, लेकिन कृति सेनन का मानना है कि सोशल मीडिया पर जो दिखता है वह सच नहीं होता। एक बातचीत में जब कृति से पूछा गया कि उन्होंने अपने जीवन में सुंदरता की परिभाषा कब समझी, तो उन्होंने कहा कि इंसान को जैसे वह है, वैसे ही रहना चाहिए और वह हमेशा से ही इस विचार पर विश्वास रखती आई हैं। इस दौरान कृति ने यह भी कहा कि ज्यादा मेक अप लगाना उन्हें पसंद नहीं। कृति ने कहा, 'मुझे भी लोग कहा करते थे कि जब तुम हंसती हो तो तुम्हारी नाक फूल जाती है या फिर जब तुम स्माइल करती हो तो तुम्हारे मसूड़े दिखाई देते हैं। जबकि मुझे मेरी स्माइल हमेशा से पसंद रही है। दूसरी बात वे फीचर्स ही एक इंसान को वह बनाते हैं, जो वह है। जब मैं अपने घर पर हूं या अपनी जिंदगी जी रही हूं तो मुझे ज्यादा मेक अप लगाना पसंद नहीं है। मुझे अपनी स्किन दिखाना पसंद है। हां, आपको अपना ख्याल रखना जरूरी है। लोगों को यह जानने की जरूरत है कि हमारे भी खराब दिन होते हैं और हम भी सचमुच खराब दिखते हैं।'

'जितना हो सके, उतना सोशल मीडिया से बचें'

इस बातचीत में कृति ने युवा लड़कियों को सीख दी कि सोशल मीडिया ही सब कुछ नहीं है और उन्हें इससे जितना हो सके, उतना दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यंग लड़कियां अभी बहुत ज्यादा प्रेशर लेती हैं कि वे सोशल मीडिया पर अलग तरह की दिखें। कोशिश करें कि जितना हो सके उतना इससे दूर रहें।'

@bajpayee.manoj

मेरी हर स्क्रिप्ट मेरे लिए पवित्र किताब: मनोज

फैमिली मैन सीजन 3 के सेट पर मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी ने एक बातचीत में माना है कि वह फिल्म की स्क्रिप्ट को किसी पवित्र किताब जैसा मानते हैं। एक इवेंट में जब उनसे उनके अभिनय का राज पूछा गया तो मनोज ने कहा, 'मैंने कई अलग-अलग डायरेक्टर्स के साथ काम किया है और हर डायरेक्टर का अभिनय और फिल्म बनाने का तरीका अलग होता है। मैं किसी भी रोल को निभाने से पहले स्क्रिप्ट को कई दिनों तक पढ़ता हूं। स्क्रिप्ट ही मेरी सबसे बड़ी गाइड है और मैं बार-बार पढ़कर किरदार की हर डिटेल को अपने अंदर उतारता हूं। जब कोई स्क्रिप्ट मुझे दी जाती है तो अगले दो-तीन महीनों तक वह मेरे लिए पवित्र ग्रंथ बन जाती है। मैं सुबह उठते के साथ और सोने से पहले भी स्क्रिप्ट पढ़ता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर कभी कोई कन्फ्यूजन होती है तो मैं तुरंत स्क्रिप्ट को खोलकर उसे समझता हूं।'

'आराम छोड़ जीवन में ऐक्टिंग चुनी'

मनोज बाजपेयी ने अपनी जिंदगी की चुनौतियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने आरामदायक जीवन, परिवार और घर छोड़कर ऐक्टिंग का रास्ता चुना। किसी ने भी मुझे यह फैसला लेने के लिए नहीं कहा। यह फैसला मेरा था। हर नए किरदार को निभाना मेरे लिए नया अनुभव होता है। बहुत सारे अच्छे अभिनेता हैं, इसलिए मेरी कोशिश रहती है कि हर बार मैं अपना सबसे बेस्ट दूं। एक्टिंग मेरा पेशा ही नहीं, बल्कि जुनून है, जिसे मैं पूरी ईमानदारी से निभाता हूं।'

स्क्रिप्ट ही मेरी लिए सबसे बड़ी गाइड है और मैं सुबह-शाम बार-बार उसे पढ़कर ही किसी किरदार की डिटेल को अपने अंदर उतारता हूं।

हमले के बाद सैफ को सताने लगा था लकवा होने का डर

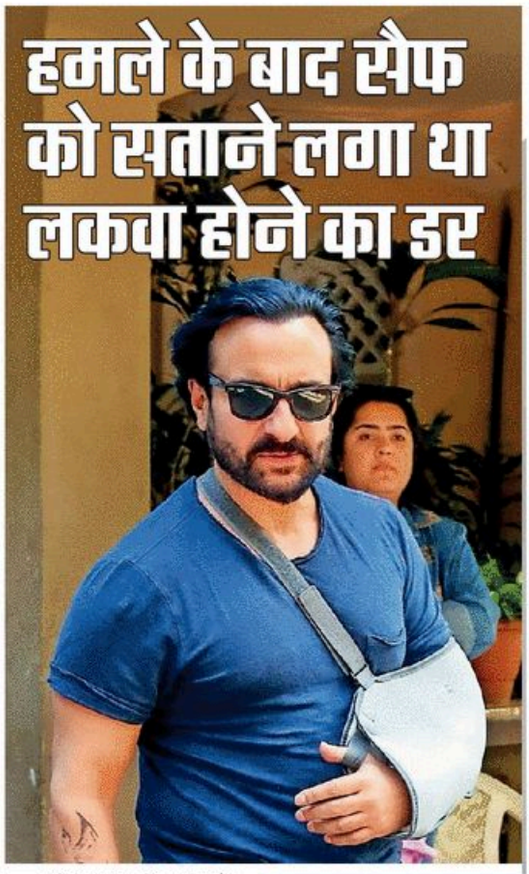

हमले की डरावनी रात को याद करते हुए सैफ अली खान ने एक बातचीत में कहा, 'मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं इससे बच पाया। मामला बहुत करीब था। मेरी स्पाइनल कॉर्ड में हल्की चोट लगी थी, जिससे लकवा (पैरालिसिस) भी हो सकता था। कुछ समय के लिए मुझे अपने पैर में कुछ भी एहसास नहीं हो रहा था, जिंदगी भर बिस्तर पर पड़े रहने या पैरालिसिस होने का ख्याल डरावना है। और इसलिए मैं इस बात के लिए शुक्रगुजार हूं कि मैं स्वस्थ हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'चोट के बाद रिकवरी का दौर मानसिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण रहा।' उन्होंने बताया कि ऐसे हादसे इंसान को एहसास कराते हैं कि वह यहां हमेशा नहीं रहने वाला है। यह जिंदगी को अलग नजरिये से देखने पर मजबूर करते हैं।

सैफ ने कहा कि मैं हमेशा जिंदगी को सौभाग्य मानता आया हूं और इस घटना ने उस सोच को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा मानता हूं कि हर एक दिन तोहफा है, शायद इस घटना ने उस एहसास को और भी गहरा कर दिया है। कभी-कभी मुझे लगता है कि मेरी नौ जिंदगियां हैं। हालांकि, हो सकता है कि मैं कल चला जाऊं और लोग कहें कि अभी तो नौ जिंदगियों की बात कर रहे थे। लेकिन मैं कई बार बहुत करीब से बचा हूं।'

> ऐसे हादसे इंसान को एहसास कराते हैं कि आप हमेशा यहां नहीं हैं। यह जिंदगी को अलग नजरिये से देखने पर आपको मजबूर करते हैं।

'मैंने सोचा नहीं था अंगूरी भाभी बनकर फिर आऊंगी'

नेहा माहेश्वरी

शिल्पा शिंदे मार्च 2016 में शो छोड़ने के नौ साल बाद 'भाबीजी घर पे हैं 2.0' में अंगूरी भाभी के रूप में वापस आ गई हैं। इस किरदार ने ना सिर्फ उनके करियर में अहम रोल अदा किया बल्कि उन्हें घर-घर में पहचान भी दिलाई। हालांकि उनके शो छोड़ने के बाद करीब एक दशक तक शुभांगी अत्रे ने अंगूरी भाभी का रोल अदा किया। मगर अब शिल्पा ने दोबारा वापसी कर ली है। हालांकि शिल्पा मानती हैं कि उन्होंने खुद कभी ऐसा होने की उम्मीद नहीं की थी। वह कहती हैं, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं वापस आऊंगी।' वह आगे कहती हैं, 'मेरे जाने के बाद बहुत सारी गलतफहमियां हुईं। समय के साथ रिश्ते बदले और मुझे लगता है कि यह किस्मत थी। झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं। एक बार जब मैंने हां कह दिया, तो मैंने ज्यादा नहीं सोचा। मैंने हमेशा अपने दिल की सुनी है। दिल की सुनकर ही यह फैसला लिया है। कोशिश करूंगी कि दर्शकों को दोबारा मेरी अदाकारी पसंद आए।'

'अपने कैरेक्टर पर सवाल उठना बेहद तकलीफदेह'

शिल्पा की वापसी के साथ ही साल 2016 में शो से उनके बाहर होने की यादें भी ताजा हो गई हैं। उस वक्त शोमेकर्स के साथ उनका विवाद सबके सामने आया था। शिल्पा ने मेकर्स के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई थी, जबकि प्रोडक्शन हाउस का दावा था कि उनके अचानक शो छोड़ने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद तरह-तरह की अटकलें लगीं, अलग-अलग बातें हुईं और शिल्पा के करियर में एक लंबा ठहराव देखने को मिला। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें उम्मीद थी कि उनकी वापसी पर लोग उनके फैसले पर सवाल उठाएंगे, तो उन्होंने कहा, 'उस समय चैनल से जुड़ा एक तीसरा पक्ष बीच में आ गया था और गलत जानकारी फैलाई गई, जिसे सच मान लिया गया। उस व्यक्ति ने एक बेहद सख्त कॉन्ट्रैक्ट के जरिए मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की, जिससे मुझे कहीं और काम करने की आजादी ही नहीं मिल पाई।'

शिल्पा शिंदे आगे कहती हैं, 'पहले आप सालों की मेहनत से करियर बनाओ और फिर तुम्हारे कैरेक्टर पर सवाल खड़े कर दिए जाएं, तो यह सहना बेहद मुश्किल हो जाता है।' उन्होंने इस बातचीत में आगे कहा, 'इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद आज मैं फिर इसी शो का हिस्सा हूं। और अगर आज मुझे उसी सम्मान के साथ वापस बुलाया गया है, तो इसका साफ मतलब यह है कि उन्हें भी पता है कि मैं गलत नहीं थी, क्योंकि शो तो तब भी चल ही रहा था।'

शिल्पा शिंदे

> 'सालों की मेहनत से करियर बनाओ और फिर तुम्हारे कैरेक्टर पर सवाल खड़े कर दिए जाएं, तो यह सहना बेहद मुश्किल होता है।'

'शो के सेट पर सभी लोगों ने बहुत गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया'

करीब 10 साल बाद सेट पर वापस आने पर थोड़ी घबराहट थी। शिल्पा बताती हैं, 'शो छोड़ने के बाद कई गलतफहमियां पैदा हो गई थीं और मुझे लगा था कि कहीं न कहीं कड़वाहट अब भी बाकी होगी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सभी लोग मेरे कमरे में मिलने आए और मुझे बेहद गर्मजोशी से वेलकम किया।' करीब दस साल बाद अंगूरी भाभी के किरदार में वापसी करना, एक ऐसे किरदार को फिर से निभाना भी था जिसे दर्शकों ने दिल से चाहा है। इस पर शिल्पा कहती हैं, 'मेरी सबसे बड़ी चिंता यही है कि लोग मुझमें फिर से वही अंगूरी भाभी देख पाएं। हम कोशिश करेंगे कि पहले से बेहतर करें, लेकिन किरदार की आत्मा वही रहनी चाहिए।'

@manushi_chhillar

मानुषी छिल्लर ने बताए अपने स्किन केयर रूटीन के टिप्स

मानुषी छिल्लर ने पहली बार अपना मॉर्निंग स्किनकेयर और मेकअप रूटीन शेयर किया है। उन्होंने एक विडियो सोशल मीडिया पर साझा किया जिसमें वह काफी सहज नजर आ रही हैं। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि इस तरह का पर्सनल कंटेंट शूट करना उनके लिए थोड़ा नर्वस करने वाला अनुभव है। विडियो की शुरुआत में मानुषी बताती हैं कि उन्हें कभी स्टेज फियर नहीं रहा, लेकिन कैमरे के सामने अपनी रोजमर्रा की आदतें शेयर करना उनके लिए आसान नहीं था। अपने स्किनकेयर रूटीन के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी स्किन ड्राई है, इसलिए वह सुबह चेहरे को क्लींजर से धोने के बजाय सिर्फ पानी से साफ करना पसंद करती हैं।

'पिता से मिली आदतें'

मानुषी ने अपने परिवार से मिले स्किनकेयर टिप्स भी साझा किए। उन्होंने बताया कि चेहरे को तौलिए से रगड़ने के बजाय हल्के हाथों से थपथपाकर सुखाना चाहिए और समय-समय पर शहद का इस्तेमाल स्किन को हाइड्रेट और ग्लोइंग बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही मानुषी ने अपने अनुशासन पर भी बात की। उन्होंने बताया कि वह दिन की शुरुआत पानी से करती हैं, जो आदत उन्हें उनके पिता ने सिखाई है। मानुषी के मुताबिक, पहले से अपने दिन को प्लान करके वह स्ट्रेस फ्री रहती हैं। विडियो में मानुषी यह भी बताती हैं कि वर्कआउट से पहले वह हल्का स्किनकेयर ही करती हैं और डॉक्टर द्वारा बताए गए सप्लिमेंट्स पर ही भरोसा करती हैं। अंत में वह यह दिखाती हैं कि छोटी-छोटी लेकिन रेगुलर हैबिट्स फिटनेस में अहम होती हैं।

स्किनकेयर करतीं मानुषी छिल्लर

@angadbedi

नेहा के पैरेंट्स ने कर दिया था रिजेक्ट: अंगद

हाल ही में अंगद बेदी ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि शादी से पहले उन्हें नेहा धूपिया के पैरेंट्स से एक बार साफ इनकार झेलना पड़ा था। लेकिन किस्मत ने ऐसा मोड़ लिया कि फिल्ममेकर करण जौहर उनके और नेहा के रिश्ते को एक नई दिशा देने वाले सबसे अहम शख्स साबित हुए। एक बातचीत में अंगद ने बताया कि जब उन्होंने नेहा के पैरेंट्स से शादी की बात की, तो उन्हें उनकी आर्थिक स्थिति को लेकर संदेह था। अंगद के मुताबिक, 'नेहा के पैरेंट्स ने साफ कहा कि मैं अच्छा इंसान हूं लेकिन मेरे पास उस वक्त पैसे नहीं थे।' इसके बाद कुछ समय तक दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए, लेकिन फिल्म सूरमा की शूटिंग के दौरान नेहा ने उन्हें दिवाली पार्टी में बुलाया। जहां करण ने उनका रिश्ता जुड़वाया।

> नेहा के पैरेंट्स ने साफ कहा कि मैं अच्छा इंसान हूं लेकिन मेरे पास उस वक्त पैसे नहीं थे। इसके बाद हमारे रास्ते अलग हो गए थे।

क्रिसमस के लिए परिणीति चोपड़ा ने की खास तैयारी

@parineetichopra

परिणीति ने शेयर की क्रिसमस को लेकर मजेदार एक पोस्ट

परिणीति चोपड़ा ने नए साल को लेकर अभी से अपने रिजॉल्यूशन तय कर लिए हैं। उन्होंने अपने क्रिसमस की तैयारियों की झलक भी साझा की और सोशल मीडिया स्टोरी में एक पोस्ट भी शेयर किया जिसमें लिखा है, 'इस क्रिसमस मैं अपने पति के लिए गिफ्ट ऑर्डर कर रही हूं, इसके बावजूद मेरे कपड़े डिलिवर हो रहे हैं।' परिणीति ने इसे शेयर करते हुए लिखा, 'इसमें मेरी कोई गलती नहीं।' उन्होंने बताया कि 2026 में जिंदगी की अहमियत कम करने वाली चीजों से दूर रहेंगी। परिणीति ने एक पोस्ट में लिखा है, 'दिसंबर यानी डीक्लटर (अव्यवस्था हटाना), डिटैच (अलग होना) और डिलीट (मिटाना)। साल 2026 में वे सभी चीजें अपनी लाइफ से हटाओ, जो आपके जीवन की वैल्यू को कम करें।'

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in